विश्वास | by Tatsha Gupta

मुझे सांवरे के दर से कुछ ख़ास मिल गया है
जो अब तलक ना टूटा श्याम .....
जो अब तलक ना टूटा श्याम वो विश्वास मिल गया है
मुझे सांवरे के दर से .....

इसके भरोसे मैं तो आगे ही बढ़ता जाता
हो लाख राहें धुंधली पर डर नहीं सताता
ये साथ चल रहा है एहसास मिल गया है
जो अब तलक ना टूटा श्याम .....
जो अब तलक ना टूटा श्याम वो विश्वास मिल गया है
मुझे सांवरे के दर से .....

जबसे जुड़ा हूँ दर से मेरी मौज हो गयी है
होली दिवाली मेरी अब रोज़ हो गई है
अंधियारे मन को मेरे प्रकाश मिल गया है
जो अब तलक ना टूटा श्याम .....
जो अब तलक ना टूटा श्याम वो विश्वास मिल गया है
मुझे सांवरे के दर से .....

क्या होगा क्या ना होगा जब दिल समझ ना पाया
सोनू भरोसा इसका उस वक़्त काम आया
मुझे हारने ना देगा आभास मिल गया है
जो अब तलक ना टूटा श्याम .....
जो अब तलक ना टूटा श्याम वो विश्वास मिल गया है
मुझे सांवरे के दर से .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b8-by-tatsha-gupta/